

बड़ी दूर से मैं आया तेरे द्वार

बड़ी दूर से मैं आया तेरे द्वार सांवरे
सच कहूँ आया दुनिया से हार सांवरे,
मैंने सुना तेरा नाम दीना नाथ है,
मुझ दी की बिगड़ी सवार सांवरे,
बड़ी दूर से मैं आया तेरे द्वार....

चिंतन में तेरे मेरा चित न लगे,
होठो पे उदासी छाई है जिस और नजर में फेरु प्रभु,
हर और से आफ़ात आई है,
मेरी ज़िंदगी की रहे अनजान है,
अपनी मंजिल की ना मुझे पहचान है,
मैं तो थक गया प्रभु अपने आप से,
अब बन जा तू मेरा मदतगार सांवरे,
बड़ी दूर से मैं आया तेरे द्वार

विश्वास करूँ किसपे मैं प्रभु विश्वास को दीखते देखा है,
गेरो की शिकायत क्या मैं करूँ,
साया भी बदलते देखा है,
मेरे अपनों ने किया अपमान है,
मुझे अशाई का दिया ये इनाम है,
जिस प्यार को ये दिल बेकरारा है,
उस प्यार का तू देदे उपकार सांवरे
बड़ी दूर से मैं आया तेरे द्वार

है खेल भरोसे का प्यारे,
मेरा ये भरोसा ना टूटे है डोर भरोसे की नाज़ुक,
हाथो से मेरे ये ना छूटे,
तेरे नाम का ही मुझपे सरूर हो,
इक बार मुलाकात भी जरूर हो,
तेरे मोहित की यही है प्राथना,
तेरा मनु गा मैं सदा आभार सांवरे,
बड़ी दूर से मैं आया तेरे द्वार

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5485/title/badi-dur-se-main-aaya-tere-dawar-sanware-sach-kahu-aya-duniya-se-haar-sanware>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |